गृह विज्ञान परास्नातक कार्यक्रम

(Master of Arts in Home Science)

एम0ए0एच0एस0-19

MAHS-19

शोध प्रबंध कार्य

(Research Project Work)

शोध प्रबंध कार्य की रुपरेखा एवं शोध प्रबंध कार्य हेतु दिशानिर्देश

(Guidelines for Synopsis and Project Work / Dissertation)

एम0ए0एच0एस0 चतुर्थ सेमेस्टर /(MAHS-IV semester)

(Course Code – MAHS-18)

शोध प्रबंध कार्य प्रेषित करने की अंतिम तिथि : ………………

Last date for Project Submission: …………….

शिक्षार्थियों हेतु दिशानिर्देश

(Guidelines for Learners)

- एम0 ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर में शिक्षार्थियों को शोध प्रबन्ध प्रस्ताव (Project Proposal) एवं शोध प्रबन्ध कार्य (Project Work/Dissertation) करने हेतु अपने अध्ययन केन्द्र के शैक्षिक परामर्शदाता /विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के गृह विज्ञान अथवा सम्बंधित विषय के प्राध्यापक/ गृह विज्ञान विभाग के प्राध्यापक से मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा। अतः शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अध्ययन केन्द्र पर गृह विज्ञान विभाग के शैक्षिक परामर्शदाता से सम्पर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त करें।

- सर्वप्रथम शिक्षार्थियों को एक शोध प्रबन्ध प्रस्ताव तैयार कर, MS Word Format में विश्वविद्यालय को निम्नलिखित ई मेल आई0 डी0पर प्रेषित करना होगा:

  homescienceuou@gmail.com

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को उपरोक्त प्रेषित करने की अंतिम तिथि के एक सप्ताह पश्चात विश्वविद्यालय के गृह विभाग द्वारा शोध प्रबन्ध प्रस्ताव का अवलोकन कर आवश्यक दिशानिर्देश एवं सुझाव विश्वविद्यालय की वेब साईट पर अपलोड कर दिए जायेंगे। शोध प्रबन्ध प्रस्ताव विश्वविद्यालय को प्रेषित करने की अंतिम तिथि **................** है।

- जिन शिक्षार्थियों का शोध प्रबन्ध प्रस्ताव विश्वविद्यालय द्वारा अस्वीकृत कर दिया जायेगा, उन विद्यार्थियों को अपना शोध प्रबन्ध प्रस्ताव आवश्यक सुधार के साथ एक सप्ताह के भीतर पुनः विश्वविद्यालय (only soft copy) को प्रेषित करना होगा।
- कोई भी शोध प्रबन्ध प्रस्ताव, जो विश्वविद्यालय द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया हो उसका शोध प्रबंध, शोध प्रबन्ध प्रस्ताव विभाग की स्वीकृति के बिना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- शिक्षार्थियों से अपेक्षित है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रबन्ध प्रस्ताव की स्वीकृति की पुष्टि हो जाने पर ही अपना शोध कार्य प्रारंभ करें।
- शोध प्रारूप पर आपके अध्ययन केंद्र के परामर्शदाता / पर्यवेक्षक की संस्तुति होने पर ही अपना शोध प्रबन्ध प्रस्ताव विश्वविद्यालय को प्रेषित करें।
- शिक्षार्थियों को शोध प्रबन्ध प्रस्ताव के साथ अपने पर्यवेक्षक का एक बायो-डेटा अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। इसके बिना किसी भी विद्यार्थी का शोध प्रारूप विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा। विश्वविद्यालय को भेजा गया शोध प्रबन्ध विद्यार्थियों को वापस नहीं किया जायेगा।
- शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपना शोध अध्ययन स्वयं करें। नकल किया गया कार्य स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- यदि विश्वविद्यालय द्वारा किन्हीं दो शिक्षार्थियों के शोध प्रबन्ध का विषय एवं क्षेत्र समान पाया गया अथवा अनुवाद करके दूसरे विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया तो उनका शोध प्रबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।
- शोध प्रबन्ध कार्य में मार्गदर्शन हेतु आपके अध्ययन केन्द्र द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।
- शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने शोध प्रबन्ध प्रस्ताव एवं शोध प्रबन्ध कार्य की दो प्रतियाँ तैयार करें जिसमें से एक विश्वविद्यालय हेतु एवं दूसरी विद्यार्थियों के स्वयं के उपयोग के लिए होगी।
- आपका शोध प्रबन्ध कार्य हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में डबल स्पेस, फॉन्ट साईज-12 में A-4 पेपर-साईज में होना चाहिए।

- शोध प्रबन्ध कार्य टाइप होने के पश्चात आपके द्वारा पुनः टाइपिंग अशुद्धियों को देखकर उनको शुद्ध करा लिया जाए। शोध प्रबन्ध कार्य में पेज न0 अवश्य अंकित करें।
- शोध प्रबन्ध कार्य की बाईडिंग हार्ड कवर पेज के साथ होनी चाहिए।
- शोध प्रबन्ध के प्रथम पन्ने पर शिक्षार्थी का नाम, एनरोलमेंट न0 एवं स्टडी सेंटर का पूरा पता आदि उल्लिखित होना चाहिए। साथ ही पर्यवेक्षक का पूरा नाम भी लिखा होना चाहिए जिसका प्रारूप इस निर्देशिका के अंत में संलग्न है।
- जो शिक्षार्थी उ0 मु0 वि0 के गृह विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण करना चाहते हैं, वे शिक्षार्थी उ0 मु0 वि0 के प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं। परंतु उन शिक्षार्थियों को यह आवश्यक होगा कि वे अपने सम्बन्धित शिक्षक को समय-समय पर अपनी कार्य प्रगति भेजें अथवा स्वयं विश्वविद्यालय आकर मिलें।
- शोध प्रबन्ध कार्य के साथ शिक्षार्थियों को इस पुस्तिका के अन्तिम भाग में संलग्न तीन प्रोफॉर्मा को भरकर संलग्न करना अति आवश्यक है। शोध प्रबन्ध कार्य प्राथमिक तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। द्वितीयक स्रोतों पर आधारित कार्य विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

आवश्यक तिथियाँ

- **शोध प्रबन्ध प्रस्ताव** विश्वविद्यालय को प्रेषित करने की अंतिम तिथि: **......................** है। अतः शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपना शोध प्रबंध प्रस्ताव **homescienceuou@gmail.com** मेल आईडी पर समयानुसार प्रेषित करें।
- **शोध प्रबंध कार्य** (Project Work/Dissertation) विश्वविद्यालय को प्रेषित करने की अंतिम तिथि : ………………. है।
- उक्त तिथि के पश्चात भेजे गए **शोध प्रबंध कार्य** अगले सत्र में बैक पेपर परीक्षा के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे।

प्रस्तावना

(Introduction)

एम0ए0 गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने गृह विज्ञान पाठ्यक्रम के अन्तर्गत जो ज्ञान प्राप्त किया है, उसका उपयोग करके वे क्षेत्र कार्य की विषय वस्तु से भी अवगत हो सकें। क्षेत्र कार्य की वास्तविकताओं से अवगत होते हुये वे समाज में अपनी भूमिका का निष्पादन करें तथा अपनी कुशलताओं एवं निपुणताओं का उचित उपयोग करके समाज की समस्याओं के निराकरण में सहयोग प्रदान कर सकें। अतः शिक्षार्थियों में शोध दक्षता उत्पन्न करने हेतु शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करने के लिए सर्वप्रथम एक शोध प्रबंध प्रस्ताव (Research Project Proposal) का निर्माण करना होता है। आपका शोध प्रबंध प्रस्ताव **विश्वविद्यालय** द्वारा स्वीकार कर लिये जाने के पश्चात शोध प्रबन्ध कार्य को पूर्ण करना होगा। शोध प्रबन्ध प्रस्ताव एवं शोध प्रबन्ध कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको उचित मार्गदर्शन की अवश्यकता होगी। शोध प्रबन्ध प्रस्ताव एवं शोध प्रबन्ध कार्य करने हेतु अपने अध्ययन केन्द्र (Study centre) पर शैक्षिक परामर्शदाता (Academic Counsellor) से सम्पर्क करें तथा उनसे शोध प्रबंध कार्य करने हेतु पर्यवेक्षक के चयन में सहयोग माँगें। अध्ययन केन्द्र के शैक्षिक परामर्शदाता आपको आस-पास के विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के गृह विज्ञान अथवा सम्बंधित विषय के प्राध्यापक /विषय विशेषज्ञ/ विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग के प्राध्यापक से सम्पर्क कराएंगे जो आपको शोध प्रबन्ध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे। यही सहयोगी जो आपको शोध प्रबन्ध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे, आपके पर्यवेक्षक कहलायेंगे। अतः आप अपने पर्यवेक्षक के सम्पर्क में रहें तथा उनके द्वारा दिये गये सुझावों से लाभान्वित हों।

प्रयोजन

(Purpose)

शोध प्रबन्ध को गृह विज्ञान के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किए जाने का प्रयोजन यहाँ पर यह है कि शिक्षार्थियों को इस विषय की वास्तविकताओं एवं मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर पड़ने वाले इसके प्रभावों से अवगत कराया जा सके। इस पाठ्यक्रम में आप गृह विज्ञान के विभिन्न विषयों एवं क्षेत्रों से परिचित अवश्य हो गये होंगे। आज के परिप्रेक्ष्य में आप समाज में गृह विज्ञान से सम्बंधित विषयों के विभिन्न ज्वलन्त मुद्दों पर भी शोध कर सकते हैं।

शोध प्रबन्ध के उद्देश्य

(Objectives of Project Work/Dissertation)

- गृह विज्ञान का हमारे जीवन पर सम्भावित प्रभावों से परिचित होना।
- समाज एवं समुदाय की परिस्थितियों से परिचित होना।
- सामाजिक जीवन से सम्बन्धित एवं जन समस्याओं से सम्बन्धित विषय चयन में मदद करना।
- शोध प्रबन्ध निर्माण हेतु व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- अनुभवजन्य (Empirical) अध्ययन के संचालन में सहायता प्रदान करना।

- अच्छी गुणवत्ता की परियोजना रिपोर्ट लिखने में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- शोध समस्या का निर्माण करना सीखना।
- गहन साहित्य सर्वेक्षण द्वारा शोध हेतु उपयुक्त विषय का चुनाव करना।
- उपकल्पना का निर्माण करने की प्रक्रिया से अवगत होना।
- शोध प्रारुप निर्माण की प्रक्रिया को जानना।
- निदर्शन प्रारुप निर्धारण को समझाना।
- आँकड़ा संकलन की विधि से अवगत होना।
- परियोजना का सम्पादन करना सीखना।
- आँकड़ों का विश्लेषण करने का ज्ञान अर्जित करना।
- उपकल्पनाओं का परीक्षण सीखना।
- रिपोर्ट तैयार करना या परिणामों का प्रस्तुतीकरण यानि निष्कर्षों का औपचारिक लेखन लिखने की कला को सीखना।

परियोजना परोक्ष रूप में सक्रिय कार्य करने की एक विधि है जो संगठित रूप से एक विषय के बारे में क्रमबद्ध, विस्तृत एवं नयी जानकारी प्राप्त करने के लिए सहायता प्रदान करती है। आमतौर पर ऐसे विषय का चयन किया जाता है जिस पर पूर्व में अधिक अध्ययन न किया गया हो अथवा ऐसी समस्या का चुनाव करें जिस पर पूर्व में अध्ययन तो हुआ हो परन्तु उस विषय में शोध का उद्देश्य भिन्न हो अथवा समस्या का स्वरूप परिवर्तित हो। उदाहरण स्वरूप महिलाओं की पोषण समस्याओं पर अनेकों अध्ययन हो चुके हैं परन्तु समय के परिवर्तन तथा महिलाओं की समाज में बदलती भूमिकाओं के साथ समस्या का स्वरूप भिन्न हो गया है।

शोध प्रबन्ध प्रस्ताव /परियोजना कार्य करने हेतु कुछ सुझाव
(Some tips to start Project Work/Dissertation)

- अपनी रूचि के शोध विषय (Research Topic) का चयन करें।
- अध्ययन केन्द्र पर अपने शैक्षिक परामर्शदाता /पर्यवेक्षक से मार्गदर्शन प्राप्त करें।
- पर्यवेक्षक से संस्तुति प्राप्त करें।
- अध्ययन प्रारम्भ करें।
- प्रतिवेदन तैयार करें।
- अपने पर्यवेक्षक से समय-समय पर सलाह एवं मार्गदर्शन प्राप्त करें।

विषय /शीर्षक का चुनाव एवं पर्यवेक्षक की सहमति प्राप्त करना
(Selection of Topic and Supervisor's consent)

किसी भी शोध को करने का प्रथम सोपान विषय का चयन होता है। अपनी रूचि के विषय को चुनते समय अपने पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को ध्यान में रखें। इसके अतिरिक्त विषय की उपयुक्तता, प्रासंगिकता, विषय से संबधित अध्ययन सामग्री, समय सीमा एवं व्यय आदि बातों का ध्यान रखें। तथ्यों के संग्रहण हेतु स्थान का चयन भी विशेष महत्व रखता है जिससे आपके समय एवं धन का अपव्यय न हो। आप अपनी सुविधानुसार राज्य, जिला एवं विकास खण्ड का चयन कर सकते हैं। परन्तु यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि शोध अध्ययन समय की प्रासंगिकता के अनुकूल होना चाहिये जिससे आप वर्तमान की समस्या से अवगत हो सकें।

शोध से सम्बन्धित विषय

(Topics related to Research)

किसी भी शोध कार्य को करने की प्रथम सीढ़ी विषय चयन की होती है, अतः शिक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि अपनी रूचि का विषय चुनते समय अपने पाठ्यक्रम की विषयवस्तु का भी ध्यान रखें ताकि आप अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का चयन कर सकें। इसके अतिरिक्त आपको विषय की उपयुक्तता, प्रासंगिकता, विषय की अध्ययन सामग्री, समय सीमा के साथ-साथ शोध कार्य में व्यय होने वाली धनराशि का भी ध्यान रखना है।

शोध कार्य हेतु गृह विज्ञान से सम्बंधित कुछ व्यापक विषय क्षेत्र शिक्षार्थियों की सहायता हेतु निम्न दिए जा रहे हैं:

- बचपन से किशोरावस्था तक बच्चे के विकास मानदंड और देखभाल प्रक्रिया में बदलाव/ Development criteria and care procedure changes for a child from infancy to adolescence.
- भारत में बाल शोषण और बाल श्रम/Child abuse and child labour in India.
- बच्चे का मनोवैज्ञानिक विकास/Psychological development of child.
- कोविड -19 और बच्चों का विकास/Covid-19 and development of children
- बचपन के दौरान क्रियात्मक विकास/ Motor development during early childhood
- वृद्धावस्था का सम्पूर्ण अध्ययन (शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य)/Complete study of old age (physical and mental health)
- फैशन: (सर्वेक्षण कार्य)/Fashion: (survey work)
    - युवा पीढ़ी पर फैशन का प्रभाव The influence of fashion on the young generation
    - समाज पर फैशन ब्लॉगर्स, पत्रिकाओं और मीडिया का प्रभाव/The impact of fashion bloggers, magazines and media on the society
    - रोजमर्रा की जिंदगी पर फैशन का प्रभाव/ The influence of fashion on everyday life
- Traditional clothing of men and women: Documentation/पुरुषों और महिलाओं के पारंपरिक कपड़े: प्रलेखन
- Traditional craft (Printed, Painted and embroidery): documentation/पारंपरिक शिल्प (मुद्रित, चित्रित और कढ़ाई): प्रलेखन

- Case study on any textile cottage industry/किसी भी कपड़ा कुटीर उद्योग पर केस स्टडी
- ग्रामीण स्वच्छता एवं सफाई/Rural hygiene and sanitation
- श्रमदक्षता/Ergonomics
- उपभोक्ता सम्बंधित क्षेत्र/Consumers related field
- परम्परागत कला एवं शिल्प/Traditional art and craft
- पर्यावरण संरक्षण/Environment protection
- स्वास्थ्य जोखिम एवं सुरक्षा/Health hazards and safety
- सामग्री विश्लेषण-अखबार, किताबें, रेडियो, टेलीविजन कार्यक्रम/Content analysis-Newspaper, books, radio. TV programmes
- कार्यक्रम प्रभाव एवं मूल्यांकन/Impact and analysis of programme
- विज्ञापनों का उपभोक्ता पर प्रभाव/Impact of advertisements on consumers
- जलवायु परिवर्तन/Climate change
- सूचना एवं संचार तकनीक/Information and communication technology
- महिला सशक्तिकरण एवं स्वयं सहायता समूह/Women empowerment and self help groups
- किसी विशिष्ट समूह/समुदाय का पोषण/आहार मूल्यांकन/Nutritional / dietary assessment of a specific group / community
- समुदाय में पोषण सम्बंधी समस्याएं एवं उनका प्रभाव/ Nutritional problems and their impact in the community
- समुदाय में पोषण सम्बंधी समस्याओं की पहचान/ Identification of nutritional problems in the community
- विशिष्ट आहारीय पैटर्न/खाद्य पदार्थों का पोषण स्थिति पर प्रभाव/ Effects of specific dietary patterns / foods on nutritional status
- पोषण सम्बंधी कार्यक्रमों का मूल्यांकन/Evaluation of nutrition programs

उपरोक्त के अतिरिक्त भी गृह विज्ञान से सम्बंधित कई व्यापक विषय हैं जिन पर शोध कार्य किया जा सकता है।

शोध प्रबन्ध प्रस्ताव
(Research Project proposal)

आपका प्रबन्ध प्रस्ताव 8-10 पन्नों का होना चाहिये। यह प्रत्ययात्मक रूपरेखा (Conceptual framework) का होना चाहिये जो समस्या की प्रकृति को दर्शाएं। इसमें समस्या का चयन उद्देश्य, उपकल्पना, समग्र एवं विनिदर्शन का विवरण होना चाहिए। आंकड़ा संग्रह की विधियाँ, सारणीयन एवं अध्यायीकरण को सम्मिलित किया जाना चाहिये।

<u>शोध प्रबन्ध प्रस्ताव लिखने हेतु प्रारूप</u>

<u>(Format for Research Dissertation)</u>

- **शीर्षक का चुनाव**

(Selection of Topic)- सर्वप्रथम शोध प्रबन्ध प्रस्ताव बनाने हेतु एक शोध शीर्षक का चुनाव करना चाहिए जो समसामयिक समस्याओं से सम्बन्धित हो। जैसे किसी विशिष्ट क्षेत्र की किशोरियों का पोषण एवं आहार अंतर्ग्रहण पैटर्न का अध्ययन।

- **उपकल्पना का निर्माण**

Formation of Hypothesis- शोध परियोजना हेतु समस्या के आधार पर परिकल्पना का निर्माण करना होगा। जैसे पहाड़ में पाए जाने वाले स्थानीय फल पोषण में अपना योगदान दे सकते हैं। अध्ययन की उपयुक्तता- अध्ययन का शीर्षक क्यों चुना गया तथा इसकी उपयोगिता क्या है, के बारे में स्पष्ट ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहिए।

- **अध्ययन के उद्देश्य**

Objectives of the Study- अध्ययन के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए कि उक्त अध्ययन को किये जाने के पीछे आपका उद्देश्य क्या है तथा आप इस अध्ययन को किन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु करना चाहते हैं।

- **अध्ययन हेतु प्रयोग प्रविधि**

Methodology for Study- प्रस्तुत शोध अध्ययन में कौन-कौन सी शोध प्रविधियों का प्रयोग किया जाएगा, आपको उन प्रयोग की जाने वाली विधियों का स्पष्ट एवं विस्तार से वर्णन करना होगा।

- **शोध प्ररचना**

Research Design- शोध प्रविधि में जिन शोध प्ररचना का प्रयोग करेंगे तथा जो आपके शोध कार्य की प्रकृति एवं उद्देश्यों को फलीभूत करेंगे, उसके बारे में चर्चा होनी चाहिए एवं उनकी परिभाषा देनी चाहिए।

- **समग्र एवं निदर्शन**

Universe & Sampling- शोध कार्य का समग्र एवं निदर्शन क्या होगा उसके बारे में चर्चा करना चाहिए एवं परिभाषा देनी चाहिए।

- **तथ्य एकत्रित करने की तकनीक**

Techniques of Data Collection - शोध अध्ययन में तथ्य एकत्रित करने हेतु दो विधियों का प्रयोग करते हैं:

प्राथमिक तथ्य एकत्रित करने की विधि

Primary methods of data collection- प्राथमिक तथ्य एकत्रित करने हेतु कई विधियों का प्रयोग करते हैं जिनमें कुछ अग्रलिखित हैं-

1. अवलोकन
2. प्रश्नावली
3. अनुसूची
4. साक्षात्कार
5. वैयक्तिक अध्ययन

द्वितीय तथ्य एकत्रित करने की विधि

Methods of Secondary data collection

द्वितीय तथ्य वे तथ्य होते हैं जो विभिन्न किताबों,पत्रिकाओं, समाचार पत्रों इत्यादि के माध्यम से एकत्रित किये जाते हैं। इनका स्पष्ट निरूपण होना चाहिए।

- **सारिणीकरण, तथ्य विश्लेषण व्याख्या एवं प्रतिवेदन**

Tabulation, interpretation and Report Writing - शोध प्रबन्ध प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से वर्णन करना चाहिए कि शोध अध्ययन में किस प्रकार की सारिणी का प्रयोग करेंगे, तथ्यों का कैसे विश्लेषण करेंगे, उनकी व्याख्या तथा उनका प्रतिवेदन कैसे करेंगे।

- **शोध अध्ययन का अध्यायीकरण**

Chapterisation of research Study- इस शीर्षक के अन्तर्गत शोध प्रबन्ध में कौन-कौन से अध्याय होंगे तथा उन अध्यायों में कौन-कौन से तथ्य होंगे का वर्णन करना चाहिए।

शोध प्रबन्ध हेतु प्रारूप

Outline of Research Project

शोध प्रबन्ध लिखने के लिए सबसे पहले आवश्यक होता है कि अध्यायीकरण के अनुसार प्रतिवेदन किया जाए। इस प्रकार शोध प्रबन्ध तैयार करने हेतु अग्रलिखित शीर्षक दिये जा रहे हैं-

प्रस्तावना

Introduction - इसमें शोध अध्ययन शीर्षक से सम्बन्धित तथ्यों को विस्तृत रूप से लिखना चाहिए तथा जो साहित्य जहां से लिये गये है उनका भी सन्दर्भ सूची में वर्णन करना चाहिए।

शोध अध्ययन की उपयुक्तता व उद्देश्य

Objectives and relevance of research study - इसमें शोध अध्ययन की उपयुक्तता तथा उद्देश्यों का स्पष्ट रूप से वर्णन करना चाहिए।

साहित्य का पुनरावलोकन

Review of literature- शोध अध्ययन का प्रतिवेदन करने में साहित्य पुनरावलोकन का महत्वपूर्ण स्थान है। अतः शोध अध्ययन प्रतिवेदन में पूर्व में हुए अध्ययनों का वर्णन सांख्यिकीय तथ्यों के साथ करना चाहिए।

शोध प्रविधि

Research design - शोध अध्ययन प्रतिवेदन में विस्तृत रूप से शोध प्रविधि का वर्णन करना चाहिए जिसमें शोध प्रचना शोध निदर्शन तथा तथ्यों के एकत्रीकरण के बारे में भी वर्णन करना चाहिए।

Report on the present investigation/ Presentation of Findings
वर्तमान जांच / निष्कर्षों की प्रस्तुति पर रिपोर्ट

इसमें शोध कार्य से सम्बंधित कार्य से निकले परिणामों की प्रस्तुति दी जाती है। इसके लिए सारणी, ग्राफ, चित्रों आदि का प्रयोग किया जा सकता है।

सार एवं निष्कर्ष

Summary andConclusion - इसके अन्तर्गत शोध अध्ययन में महत्वपूर्ण तथ्यों को दिया जाना चाहिए जिससे शोध अध्ययन की एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की जानी चाहिये। इस शोध कार्य से क्या आवश्यक परिणाम प्राप्त किए गए, उनकी चर्चा होनी चाहिए तथा उनकी प्रासंगिकता का उल्लेख होना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Bibliography References -

शोध प्रबन्ध में जो भी तथ्य द्वितीयक स्रोतों से लिये जाते हैं उनका विवरण सन्दर्भ ग्रन्थ सूची में देना चाहिए।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्

लघु शोध प्रबंध के कवर पेज का प्रारूप

लघु शोध प्रबंध का शीर्षक

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

की

एम0ए0 गृह विज्ञान

उपाधि हेतु

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध

(एम0ए0एच0एस0-18)

शोधार्थी का नाम: पर्यवेक्षक का नाम:

नामांकन संख्या:

तिथि एवं वर्ष

अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता

Performa for Submission of M.A. Home Science Project Proposal for Approval from Academic Councellor at Study Center

Enrollment No:………………………………………

Title of the Project:…………………………………

Date of Submission:…………………………………

Name of the Study Center :………………………….

Name of the Regional Center………………………

Name of the supervisor:……………………………………

Signature…………. …………………………………..

Name & Address of the Supervisor:…………………….

……………………………………………………………….

………………………………………………………………

Phone No.& E Mail Id:…………………………………….

Name & Address of the Student……………………

…………………………………………………………….....

……………………………………………………………….

Phone No.& E Mail Id :………………………………..

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्

Approved /not approved (with remarks)

……………………………………………………………………………

Date and Place:………………………………………

Declaration

I hereby declare that the dissertation entitled…………………………………………………………………….

……

……………….. ..

…………………………………………………………(Write the title in Block Letters) Submitted by me for partial fulfillment of the M.A. Home Science to Uttarakhand Open University (UOU) is my own original work and has not been submitted earlier to any other institution for the fulfillment of the requirement for any other programme of study. I also declare that no chapter of this manuscript in whole or in part is lifted and incorporated in this report from any earlier work done by me or others.

Date :

Place :

Signature :…………………………………..

Enrollment no………………………………..

Name :…………………………………………

Address:……………………………………..

…………………………………………………..

…………………………………………………..

Certificate

This is to certified that Mr./Ms. ……………………………………………………….................................

Student of M.A. Home Science from Uttarakhand Open University (UOU) Haldwani was working under my supervision and guidance for his/her Project Work for the course MAHS-18. His/Her Project Work entitled…………………………………………………………………………………………

……

……………….. which he /she is submitting, is his /her genuine and original work.

Signature:…………………………………………

Name:……………………………………………

Address:…………………………………………….

Phone no. & E mail id…………………………….

(To be filled by Supervisor)

Date:

Place: